an>

Title: Need to revive the closed sugar mills in North Bihar.

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा) ः उत्तर बिहार में ब्रिटिश काल से ही लोहाट, रैयाम तथा सकारी में चीनी मिलें स्थापित थी, जिससे गन्ने की खेती फल-फूल रही थी। आज सभी चीनी मिलें बंद पड़ी हैं, जिसके कारण गन्ने जैसी नगदी फसल की खेती बंद है। मिलें बंद होने के कारण उत्तर बिहार के लोग बेरोज़गार हो गए हैं, जिसके कारण वे पलायन कर दूसरे राज्यों में मज़दूरी करने को विवश हैं। आर्थिक रूप से सक्षम रहा उत्तर बिहार आज चीनी मिल व कारखानें बंद होने के कारण गरीबी, भुखमरी, पलायन, बेरोज़गारी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

उत्तर बिहार के विकास के लिए आवश्यक है कि बंद पड़ी चीनी मिलों को चालू कराया जाये, जिससे आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। गन्ना नगदी फसल होने के कारण किसान खेती में पूंजी लगाने में अग्रसर होंगे, जिससे कृषि में निवेश बढ़ेगा। उत्तर बिहार की मिट्टी, पानी और मौसम गन्ने की खेती के लिए अनुकूल हैं। गन्ना की खेती शुरू होने से मजदूर वर्ग का पलायन रूकेगा।